विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

वर्ग- अष्टम शिक्षिका- सरिता कुमारी

विषय -हिन्दी दिनांक -२५- ०५-२०२०

सुप्रभात बच्चों।

परिस्थिति गंभीर है। कोरोनावायरस के साथ-साथ आर्थिक संकट भी गहराता जा रहा है। ऐसे में आवश्यकतानुसार धीरे-धीरे सभी व्यवसायिक कार्य की ओर अग्रसर हो रहे है। आपको भी इस परिस्थिति में परिवार, समाज, देश का साथ देना चाहिए।

आप बिना उतावले हुए संयम से घर पर ही सुरक्षित रहकर कार्य करें।

आप कोई समूह में खेल खेलते हैं तो भी सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखते हुए खेलें। मास्क का प्रयोग जरूर करें।

कविता प्राणी वही प्राणी है का अंतिम अंश पढ़ेंगे।

माथे को फूल जैसा
अपने को चढ़ा दे जो;
रूकती-सी दुनिया को
आगे बढा दे जो;
मरना वही अच्छा है|

प्राणी का वैसे और
दुनिया मे टोटा नहीं,
कोई प्राणी बड़ा नहीं
कोई प्राणी छोटा नहीं|

अर्थात् अपने आपको दूसरों की सेवा के लिए ऐसे अर्पण करें जैसे मानव भगवान के चरणों में हम फूल चढ़ा रहे हैं। (यहां माथा चढ़ाने का तात्पर्य अपने आप को समर्पित करने से है।)

जो रूकती ही दुनिया को जो आगे बढ़ा दे। यानी रुकावट को दूर कर आगे बढ़ना चाहिए।वैसे लोगों की कमी नहीं है जो लाखों और वह लोग दुनिया में है लेकिन असली प्राणी वह है जिसमें वह सभी गुण मौजूद हैं कि वह अपने आप को

छोटा या बड़ा ना समझे। यानी अहंकार में पड़ कर दूसरों को तुच्छ ना समझे।

पूरी कविता में,

प्राणी वही प्राणी है जो-

*दूसरे को सहारा देने वाला हो।

*संकट के समय घबराए बिना आगे बढ़ते चले।

*जो लालच ना करें।

* जो आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

*सत्य के लिए अटल रहे।

*रुकावटों को दूर कर आगे बढ़ता चले।

छात्र कार्य-

दिए गए अध्ययन सामग्री को ध्यान पूर्वक पढ़ कर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें।

अगले दिन प्रश्नावली के साथ उपस्थित होऊंगी।

धन्यवाद।

****